भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2509
दिनांक 10 अगस्त 2026

ई25 पेट्रोल आरंभ करने का प्रस्ताव

2509 **श्री पी.पी. सुनीरः**

क्या ***पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार 25 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल आरंभ करने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि ई20 पेट्रोल के गाड़ियों के माइलेज और निष्पादन पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर पहले से ही चिंता बढ़ रही है; और

(घ) यदि हाँ, तो ब्यौरा क्या है और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (घ) अब तक, पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को 20% से अधिक बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उच्च एथेनॉल मिश्रण के संबंध में भविष्य में कोई भी निर्णय विस्तृत वैज्ञानिक और तकनीकी अध्ययन और ऑटोमोबाइल निर्माताओं, तेल विपणन कंपनियों और अनुसंधान संस्थानों सहित सभी प्रासंगिक हितधारकों के साथ परामर्श के बाद ही लिया जाएगा।

एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को नीति आयोग, ऑटोमोबाइल निर्माताओं, तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी), ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम), भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (आईआईपी) और अन्य तकनीकी संस्थानों को शामिल करते हुए एक चरणबद्ध, वैज्ञानिक रूप से मान्य और परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से लागू किया गया है।

एआरएआई, एसआईएएम, आईओसीएल, आईआईपी और ऑटोमोबाइल निर्माताओं द्वारा किए गए व्यापक प्रयोगशाला अध्ययनों और क्षेत्र परीक्षणों ने इंजन के टिकाऊपन, ड्राइव करने की क्षमता, स्टार्ट करने की क्षमता, संक्षारण प्रतिरोध, सामग्री अनुकूलता, उत्सर्जन और ईंधन दक्षता जैसे मापदंडों को कवर करते हुए पुष्टि की है कि ई20 निर्धारित मानकों के तहत उपयोग के लिए सुरक्षित है।

इन अध्ययनों ने यह भी स्थापित किया कि विरासत वाहनों में प्रदर्शन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता या असामान्य टूट-फूट नहीं होती है।

इन व्यापक प्रयोगशाला अध्ययनों, क्षेत्र सत्यापन और वास्तविक दुनिया के संचालन के अनुभव ने ई20 ईंधन के कारण वाहन के प्रदर्शन पर कोई व्यापक प्रतिकूल प्रभाव स्थापित नहीं किया है।

ई15+ मिश्रित पेट्रोल का उपयोग देश भर में साढ़े तीन वर्ष से अधिक समय से और ई19-ई20 ईंधन का उपयोग ढाई वर्ष से अधिक समय से किया जा रहा है। 20 करोड़ से अधिक दोपहिया वाहन और 3 करोड़ से अधिक पेट्रोल कारें व्यापक इंजन विफलता या ई20 ईंधन के कारण असामान्य घिसाव के बिना इन मिश्रणों पर काम कर रही हैं। निर्माता सेवा डेटा पुष्टि करता है कि ई20 ईंधन के कारण वाहन के जीवन में कोई असामान्य संक्षारण, घिसाव या कमी नहीं है। निर्माता ई20 ईंधन का उपयोग करने वाले वाहनों के लिए वारंटी दायित्वों का सम्मान करना जारी रखते हैं, जो इसकी सुरक्षा और विश्वसनीयता में और अधिक विश्वास प्रदान करते हैं।

माइलेज के संबंध में, सरकारी एजेंसियों और ऑटोमोबाइल निर्माताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के अनुसार, ईंधन दक्षता कई कारकों से प्रभावित होती है, जिनमें ड्राइविंग की स्थिति, ड्राइविंग की आदतें और वाहन का रखरखाव शामिल है। कुछ ई10-डिज़ाइन किए गए वाहनों में ईंधन दक्षता में कमी आमतौर पर लगभग 3-5% तक सीमित होती है। ई-20 का उपयोग बेहतर त्वरण, बेहतर सवारी की गुणवत्ता और लगभग 30% कम कार्बन उत्सर्जन प्रदान करता है, जो ई10 ईंधन की तुलना में महत्वपूर्ण है। एथेनॉल का उच्च ऑक्टेन संख्या (~108.5, जबकि पेट्रोल की 84.4) एथेनॉल-मिश्रित ईंधन को उच्च ऑक्टेन आवश्यकताओं के लिए एक मूल्यवान विकल्प बनाती है, जो आधुनिक उच्च-संपीड़न इंजनों के लिए महत्वपूर्ण है। ई20 के लिए ट्यून किए गए वाहन बेहतर त्वरण प्रदान करते हैं, जो शहरी ड्राइविंग स्थितियों में एक महत्वपूर्ण कारक है। इसके अतिरिक्त, एथेनॉल का उच्च वाष्पीकरण की मात्रा, इंटेक मैनिफोल्ड के तापमान को कम करती है, जिससे हवा-ईंधन मिश्रण की घनत्व में वृद्धि होती है और समग्र दक्षता में सुधार होता है। इसके अलावा, ई20 के उपयोग से बेहतर एंटी नॉकिंग गुण और प्रदर्शन प्राप्त होता है।

*****